an>

Title: Need to constitute a high level committee to streamline the functioning of NIT located in Garhwal Parliament Constituency of Uttarakhand.

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खंडूड़ी एवीएसएम (गढ़वाल): माननीय अध्यक्ष जी, मेरे संसदीय क्षेत्र गढ़वाल में भी एक श्रीनगर नाम का स्थान है, उसके पास सोमाड़ी नाम का एक स्थान है, जहां पर पांच साल पहले नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी बना था। इन पांच सालों में उसमें देश-विदेश के अनेक विद्यार्थी आते हैं, लेकिन वहां की हालत बहुत खराब है।

अध्यक्ष महोदया, दो मुख्य समस्याएं हैं, जो मैं आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं। जनप्रतिनिधि होने के नाते वहां के अनेकों लोगों ने मुझ से शिकायत की है कि वहां पर धन का दुरुपयोग हो रहा है, प्रशासनिक अत्याचार हो रहा है, फेकेल्टी को अलग प्रकार से प्रताड़ित किया जा रहा है और धन का बहुत बड़ी मात्रा में दुरुपयोग हो रहा है। दूसरी समस्या वहां पर यह है कि पांच साल के बाद भी बहुत सारे भवन के लिए सरकार से पैसा नहीं जा पा रहा है। इस स्थिति में उस इंस्टीट्यूट में, जोकि अंतर्राष्ट्रीय इंस्टीट्यूट है, वहां पर अफरा-तफरी मची हुई है।

अध्यक्ष महोदया, मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि वहां पर कुछ इस तरह जांच की जाए, जिसमें आर्थिक और प्रशासनिक दोनों बातों को देखा जाए। वहां पर जो बिल्डिंग और भवन वगैरह बनने थे, वे क्यों नहीं बन रहे हैं और जो फेकेल्टी को प्रताड़ित किया जा रहा है, जो पैसे का दुरुपयोग हो रहा है, उसके बारे में विस्तार से एक जांच करें, यह मेरी सरकार और मंत्री महोदय से प्रार्थना है।

माननीय अध्यक्ष: सौगत राय जी, आप पहले मेरी बात सुनिए। आपका जो विषय लिखा है, मैं सभी के लिए थोड़ा कहना चाहूंगी कि शून्यकाल में जो मेटर डालते हैं, वे बहुत इम्पोरटेंट होते हैं। कई बार मैंने देखा है कि सदस्य स्टेट का मेटर हो। राज्य में कोई चीज बननी हो, उसे भी उठाते हैं, उसको भी उठाते हैं। मैं सबके लिए बोल रही हूं।

दूसरी बात, साधारणतया एलीगेशंस भी किसी के खिलाफ नहीं होना चाहिए। आप अपनी कोई विषय वस्तु जो सेंट्रल गवर्नमेंट से संदर्भित है, उस पर कहें। कई लोग कागज लेकर बोल रहे हैं, वे पूरा का पूरा पेपर पढ़ते हैं, ऐसा भी शून्यकाल में नहीं होता है। मैं जानकारी के लिए बता रही हूं। सौगत राय जी नये सदस्य नहीं हैं, जो नये सदस्य हैं, मैं उनके लिए बता रही हूं। ऐसा भी नहीं होता है, इसलिए थोड़ा ध्यान रखें।

सौगत राय जी, मैं आपको बोलना चाहूंगी, आपने जो विषय आज यहां लिखकर दिया है, कई दिनों से उसकी चर्चा आप कर रहे हैं। आप जब वाक आउट करके गए थे, तब पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर ने कहा कि अगर आप पर्टिकुलर इस विषय पर चर्चा भी चाहेंगे तो वह इसके लिए तैयार हैं। यह केवल जानकारी के लिए है।

आपसे एक ही निवेदन है कि प्लीज, अगेन कोई एलीगेशन लगाकर या इस तरीके से बात नहीं हो तो ज्यादा अच्छा रहेगा। शून्य काल का उपयोग एलीगेशन के लिए नहीं करें। जो आपको कहना है, शांति से थोड़े समय में कह सकते हैं।

â€¦(व्यवधान)

प्रो. सौगत राय : मैडम, धन्यवाद। ...(व्यवधान)

SHRI E. AHAMED (MALAPPURAM): Madam, I have got only one submission to make. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिए। आज क्या बात है?

â€¦(व्यवधान)

प्रो. सौगत राय : मैडम, आपके सुझाव के लिए धन्यवाद। आप ही इस सदन की मार्गदर्शक हैं। आप जो रास्ता दिखायेंगी, हम उसी रास्ते पर आने वाले दिनों में चलने की कोशिश करेंगे। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अहमद जी, आज क्या बात है?

â€¦(व्यवधान)

SHRI E. AHAMED : Madam, you must highlight this matter with the Ministry of External Affairs. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Now, nothing will go on record.

(Interruptions) â€¦ *

PROF. SAUGATA ROY : Madam, Ahamed Saheb is a senior man. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : मैं जानती हूं।

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I know him better than you do.

...(*Interruptions*)

PROF. SAUGATA ROY: Yeah, I know. ...(*Interruptions*) Madam, may I speak now, with your permission? ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : मगर नो एलीगेशन, नो झगड़ा।

â€¦(व्यवधान)

PROF. SAUGATA ROY : Yes, Madam, no allegation. ...(*Interruptions*) Madam, I request that I may be permitted ...(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : There would be no allegation, but he has to charge sheet the Government. ...(*Interruptions*)

PROF. SAUGATA ROY : Madam, now that the House is in order, I would request that I may be permitted to raise a matter of urgent public importance during 'Zero Hour' in the House today. I will raise the issue briefly as under.

The Central Government has been determinedly weakening the federal and secular structure of the Constitution through its various acts of commissions and omissions, and it has withheld funds for the Mahatma Gandhi NREGA ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज, जो विषय आपने दिया है, उसी पर कहें।

प्रो. सौगत राय :मैडम, पूरा लिखा है। यह दो-तीन लाइन का ही है। ...(*Interruptions*) It has withheld funds for the Mahatma Gandhi NREGA, thus putting States like West Bengal, Karnataka, etc. in great difficulty. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आपका वह विषय नहीं है।

प्रो. सौगत राय : यह लिखा है। अच्छा मैडम, लास्ट पैराग्राफ पढ़ता हूं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप शून्य काल के नोटिस पर बोलिए। यह तो आप एडजर्नमेंट नोटिस कह रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

प्रो. सौगत राय : मैडम, शून्य काल में बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप क्यों बोल रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

PROF. SAUGATA ROY : Madam, you correct me and you tell me what I should not speak. â€¦ (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : सारे के सारे विषय नहीं होते, एक ही विषय पर बोलेते हैं। नरेगा पर बोलिए, चलेगा।

â€¦(व्यवधान)